चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	22-01-25		

The Tribune

₹8-cr grants given to entrepreneurs by business incubation centre in Hisar

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, JANUARY 21

The Agri Business Incubation Centre (ABIC) at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) has till now released grants worth Rs 8 crore to young entrepreneurs who started their ventures as start-up for fostering youth entrepreneurship and self-reliance.

Prime Minister Narendra Modi highlighted startups from cities like Hisar and Ambala in his popular 'Mann Ki Baat' programme on Sunday. The recognition by the PM reflects the growing start-up culture in smaller cities beyond the usual metropolitan hubs, said Prof BR Kamboj, Vice-Chancellor of the HAU. The PM said startups were gaining momentum in these regions, with women also taking a leading role, as more than half of the startups in smaller cities were being led by women entrepreneurs.

Prof Kamboj, while elaborating on the contribution of ABIC in promoting entrepreneurship, said that since its inception in 2019, the centre had provided financial assistance ranging from Rs 4 lakh to Rs 25 lakh to aspiring entrepreneurs, farmers and women aiming to start businesses based on innovative ideas. The centre has so far supported over 250 incubates and helped them access grants from the Centre, totaling over Rs 8 crore. These startups, which focus on agricultural innovations, are now generating a turnover of approximately Rs 20 crore and providing employment to around 1,600 people, the VC said.

Through ABIC, the government has made provisions to encourage women entrepreneurs by offering an additional 10 per cent grant amount, further strengthening the drive for self-reliance.

He said that the ABIC played a pivotal role in guiding young people towards self-employment. "By providing training, funding and mentorship, the ABIC helped youth launch their own businesses, thus not only creating jobs for themselves but also contributing to the broader economy by offering employment to others. This initiative is especially significant in rural and semi-urban areas, where traditional employment opportunities may be limited," he said.

Citing an example, the VC said that Rajendra Kumar from Satrod village had developed a winnowing machine with the help of a Rs 25 lakh grant, which had revolutionised cleaning of grains for farmers. "His company has sold 200 machines, while employing 15 persons and generating a turnover exceeding Rs 2 crore," the VC said. He said another success story was that of Praveen, who, after receiving Rs 5 lakh in support, was cultivating saffron using aerophonic technology. "This unique method has not only allowed him to achieve a turnover of Rs 50 lakh but also enabled him to train hundreds of farmers in this innovative technique. His company now employs 10 persons," he said.

The VC said that ABIC not only provided financial assistance but also supported startups in obtaining patents, certifications and licences, ensuring that their products met industry standards. Through ABIC, the government had made provisions to encourage women entrepreneurs by offering an additional 10 per cent grant amount, further strengthening the drive for self-reliance, he said.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-01-25	3	2-6

• एचएयू के एबिक से ट्रेनिंग ले युवाओं ने शुरू किया स्टार्टअप, पीएम मोदी ने की सराहना

सातरोड के राजेंद्र ने बनाई विनोइंग मशीन, सुनील ने मोबाइल मोटर स्टार्टर, नरेश बना कर रहे पंचगव्य धूप

दीपिका मोटे अनाज, फल, ड्राइ फ्रूट्स मिश्रण से बना रही बिस्किट

भास्कर न्यूज | हिसार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को लेकर हिसार और अम्बाला जैसे शहरों में कार्यरत स्टार्टअप्स की सराहना की है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि हमारा स्टार्टअप कल्चर अब बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को बिजनेस आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है।

एचएयू वीसी प्रो. बीआर काम्बोज।

एबिक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा एबिक के माध्यम से 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपए से अधिक की ग्रांट दे चुका है। इन सभी स्टार्टअप्स का अब 20 करोड़ रुपए का टर्नओवर है और करीब 1600 लोगों को वो रोजगार मुहैया करवा रहे हैं।

▪ सातरोड गांव निवासी राजेन्द्र कुमार एबिक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर विनोइंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज धान, गेहूं, सरसों, बाजरा इत्यादि को साफ कर सकता है। अभी तक राजेन्द्र 200 मशीन बनाकर बेच चुके हैं। इनकी कंपनी में 15 लोग कार्यरत हैं व कंपनी का टर्नओवर दो करोड़ से अधिक है।

▪ प्रवीण एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर ऐरोफोनिक तकनीक से लैब में केसर की खेती कर रहे हैं। इन्होंने सैकड़ों किसानों को प्रशिक्षण देकर इस तकनीक से अवगत कराया है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख है व 10 लोगों को रोजगार दिया है।

▪ महिला उद्यमी दीपिका एबिक एचएयू से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर मोटे अनाज चकुंदर, फल एवं सब्जियां, ऑयल सीड्स व ड्राइफ्रूटस के मिश्रण से खिलाड़ियों के लिए बिस्कुट व लड्डू बना रही हैं। इनकी कंपनी का टर्नओवर 20 लाख रुपए है व चार लोग कार्यरत हैं।

▪ सुनील ने एबिक से प्रशिक्षण व 10 लाख की ग्रांट लेकर मोबाइल मोटर स्टार्टर प्रोडक्ट तैयार किया है। जिसकी मदद से किसान कहीं भी बैठकर अपने मोबाइल से खेत की मोटर को बंद व चालू कर सकता है। इनकी कंपनी की टर्नओवर 3 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है। साथ ही ये 30 लोगों को रोजगार मुहैया करवा रहे हैं।

▪ 5 सातरोड़ गांव निवासी नरेश कुमार ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर गाय के गोबर, मलमूत्र व पंचगव्य से धूप, हवन समिधा, हैंडवॉश, हेयरवॉश इत्यादि प्रोडक्ट बना रहे हैं। इनकी कंपनी में 7 लोग कार्यरत हैं व कंपनी का टर्नओवर 30 लाख से अधिक है।

▪ 6 रविन शर्मा ने एबिक से प्रशिक्षण व 18 लाख की सहायता राशि लेकर कीड़ाजड़ी मशरूम कोर्डिसेप्स मिलिटेरिस से अपनी लैब में उत्पादन कर रहे हैं। फिर इसे प्रोसेस करके पाउडर, कैप्सूल व अर्क बना रहे हैं जिसके सेवन से हमारे देश के खिलाड़ियों को बहुत फायदा हो रहा है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख से अधिक है व छह लोग कार्यरत हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-01-25	4	5-6

'एचएयू का एबिक युवाओं को बना रहा आत्मनिर्भर'

जागरण संवाददाता• हिसार : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्टार्टएप को लेकर हिसार शहरों में कार्यरत स्टार्टएप की सराहना की है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। हमारे युवा आज केवल नौकरी के ही पीछे नहीं भाग रहे बल्कि वे खुद का व्यवसाय करने में भी रूचि दिखा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को बिजनेस आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। एबिक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हिसार जिले के स्टार्टएप

- सातरोड गांव निवासी राजेन्द्र कुमार एबिक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर विनोइंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज (धान, गेहूं, सरसों, बाजरा) इत्यादि को इस मशीन के माध्यम से बिल्कुल साफ कर सकता है। अभी तक राजेन्द्र 200 मशीन बनाकर बेच चुके हैं।
- प्रवीण ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर एरोफोनिक तकनीक से लैब में केसर की खेती कर रहे हैं। इन्होंने सैकड़ों किसानों को प्रशिक्षण देकर इस तकनीक से अवगत कराया है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख है व 10 लोगों को रोजगार दिया है।
- महिला उद्यमी दीपिका एबिक एचएयू से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर मोटे अनाज चकुंदर, फल एवं सब्जियां, आयल सीड्स व ड्राईफ्रूटस के मिश्रण से खिलाड़ियों के लिए बिस्कुट व लड्डू बना रही हैं। इनकी कंपनी का टर्नओवर 20 लाख रुपये है व चार लोग कार्यरत हैं।
- सुनील ने एबिक से प्रशिक्षण व 10 लाख की ग्रांट लेकर मोबाइल मोटर स्टार्टर प्रोडक्ट तैयार किया है। जिसकी मदद से किसान कहीं भी बैठकर अपने मोबाइल से खेत की मोटर को बंद व चालू कर सकता है। इनकी कंपनी की टर्नओवर 3 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है।
- सातरोड गांव निवासी नरेश कुमार ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर गाय के गोबर, मलमूत्र व पंचगव्य से धूप, हवन समिधा, हेंडवॉश, हेयरवाश इत्यादि प्रोडक्ट बना रहे हैं। इनकी कंपनी में 7 लोग कार्यरत है व कंपनी का टर्नओवर 30 लाख से अधिक है।
- रविन शर्मा ने एबिक से प्रशिक्षण व 18 लाख की सहायता राशि लेकर कीड़ाजड़ी मशरूम (कोर्डिसेप्स मिलिटेरिस) से अपनी लैब में उत्पादन कर रहे हैं। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख से अधिक है व छह लोग कार्यरत है।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	22-01-25	11	2-6

मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने की हिसार व अंबाला के स्टार्टअप्स की सराहना

एचएयू का एबिक युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में निभा रहा अहम भूमिका : प्रो. काम्बोज

- पीएम द्वारा हिसार के स्टार्टअप का जिक्र करना गर्व की बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को लेकर हिसार और अंबाला जैसे शहरों में कार्यरत स्टार्टअप्स की सराहना की है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। हमारे युवा आज केवल नौकरी के ही पीछे नहीं भाग रहे बल्कि वे खुद का व्यवसाय करने में भी रूचि दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि हमारा स्टार्टअप कल्चर अब बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि अब इस क्षेत्र में महिलाएं भी स्टार्टअप शुरू करने के लिए आगे आ रही हैं। छोटे शहरों में आधे से ज्यादा का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं।

हिसार। एबिक का फाइल फोटो।

फोटो :हरिभूमि

एबिक सेंटर में 250 इंक्यूबेटस को दिया प्रशिक्षण व सहयोग

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को बिजनेस आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपये तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। एबिक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा एबिक के माध्यम से 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है। इन सभी स्टार्टअप्स का अब 20 करोड़ रुपये का टर्नओवर है और करीब 1600 लोगों को वे रोजगार मुहैया करवा रहे हैं।

हिसार जिले के स्टार्टअप्स

▶▶ सातरोड़ गांव निवासी राजेन्द्र कुमार एबिक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर विनोइंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज (धान, गेहूं, सरसों, बाजरा) इत्यादि को इस मशीन के माध्यम से बिल्कुल साफ कर सकता है। अभी तक राजेन्द्र 200 मशीन बनाकर बेच चुके हैं। इनकी कंपनी में 15 लोग कार्यरत है व कंपनी का टर्नओवर दो करोड़ से अधिक है।

▶▶ प्रवीण ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर ऐरोफोनिक तकनीक से लैब में केसर की खेती कर रहे हैं। इन्होंने

▶▶ सुनील ने एबिक से प्रशिक्षण व 10 लाख की ग्रांट लेकर मोबाइल मोटर स्टार्टर प्रोडक्ट तैयार किया है। जिसकी मदद से किसान कहीं भी बैठकर अपने मोबाइल से खेत की मोटर को बंद व चालू कर सकता है। इनकी कंपनी की टर्नओवर 3 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है। साथ ही ये 30 लोगों को रोजगार मुहैया करवा रहे हैं।

▶▶ सातरोड़ गांव निवासी नरेश कुमार ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर गाय के गोबर, मलमूत्र व पंचगव्य से धूप, हवन समिधा, हेंडवॉश, हेयरवॉश इत्यादि प्रोडक्ट बना रहे हैं। इनकी कंपनी में 7 लोग कार्यरत है व कंपनी का टर्नओवर 30 लाख से अधिक है।

▶▶ रविन शर्मा ने एबिक से प्रशिक्षण व 18 लाख की सहायता राशि लेकर कीड़ाजड़ी मशरूम (कोर्डिसेप्स मिलिटेरिस) से अपनी लैब में उत्पादन कर रहे हैं। फिर इसे प्रोसेस करके पाउडर, कैप्सूल व अर्क बना रहे हैं जिसके सेवन से हमारे देश के खिलाड़ियों को बहुत फायदा हो रहा है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख से अधिक है व छह लोग कार्यरत है।

अंबाला जिले के स्टार्टअप्स

1. विपेन सरीन ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर गन्ने के मूल्य संर्वधन प्रोडक्ट (गन्ना चुस्की, गन्ना जलेबी, गन्ना चाय व गुड़ इमली की चटनी)बना रहे हैं और किसानों को भी प्रशिक्षण दे रहे हैं।

2. विशाल ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर एक ऐसी डिवाइस तैयार की है जिससे किसान मिट्टी की नमी, मिट्टी में मौजूद पोटैशियम, मैग्नीशियम व अन्य पोषक तत्वों के बारे में जान सकते हैं। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहारा अवसर है। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे।

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	22-01-25	3	1-6

हकृवि का एबिक सेंटर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में निभा रहा है अहम भूमिका

2019 में शुरू हुआ था सेंटर, अब तक कई युवा बदल चुके हैं अपनी किस्मत

-मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के चुके हैं हिसार व अंबाला के स्टार्टअप्स की सराहना

एबिक का फाइल फोटो

हिसार, 21 जनवरी (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह एबिक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है।

ज्ञात रहे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को लेकर हिसार और अंबाला जैसे शहरों में कार्यरत स्टार्टअप्स की सराहना की है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। युवा आज केवल नौकरी के ही पीछे नहीं भाग रहे बल्कि वे खुद का व्यवसाय करने में भी रूचि दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि हमारा स्टार्टअप कल्चर अब बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। ऐसा ही कुछ कर दिखा रहे हैं हरियाणा के अनेक युवा। खास बात यह है कि महिलाएं भी स्टार्टअप शुरू करने के लिए आगे आ रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को बिजनेस आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है।

भारत सरकार द्वारा एबिक के माध्यम से 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपए से अधिक की ग्रांट दे चुका है। इन सभी स्टार्टअप्स का अब 20 करोड़ रुपए का टर्नओवर है और करीब 1600 लोगों को वो रोजगार मुहैया करवा रहे हैं।

हिसार जिले के इन युवाओं ने बनाई अपनी पहचान

सातरोड़ गांव निवासी राजेन्द्र कुमार एबिक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर विनोइंग मशीन बनाई है, जिससे किसान अपना अनाज (धान, गेहूं, सरसों, बाजरा) इत्यादि को इस मशीन के माध्यम से बिल्कुल साफ कर सकता है। अभी तक राजेन्द्र 200 मशीन बनाकर बेच चुके हैं। इनकी कंपनी में 15 लोग कार्यरत है व कंपनी का टर्नओवर दो करोड़ से अधिक है।

-प्रवीण ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर ऐरोफोनिक तकनीक से लैब में केसर की खेती कर रहे हैं। इन्होंने सैकड़ों किसानों को प्रशिक्षण देकर इस तकनीक से अवगत कराया है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख है व 10 लोगों को रोजगार दिया है।

-महिला उद्यमी दीपिका एबिक हकृवि से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर मोटे अनाज चकुंदर, फल एवं सब्जियां, ऑयल सीड्स व ड्राइफ्रूटस के मिश्रण से खिलाड़ियों के लिए बिस्कुट व लड्डू बना रही हैं। इनकी कंपनी का टर्नओवर 20 लाख रूपए है व चार लोग कार्यरत हैं।

-सुनील ने एबिक से प्रशिक्षण व 10 लाख की ग्रांट लेकर मोबाइल मोटर स्टार्टर प्रोडक्ट तैयार किया है। जिसकी मदद से किसान कही भी बैठकर अपने मोबाइल से खेत की मोटर को बंद व चालू कर सकता है। इनकी कंपनी की टर्नओवर 3 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है। साथ ही ये 30 लोगों को रोजगार मुहैया करवा रहे हैं।

-सातरोड़ गांव निवासी नरेश कुमार ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर गाय के गोबर, मलमूत्र व पंचगव्य से धूप, हवन समिधा, हैंडवॉश, हेयरवॉश इत्यादि प्रोडक्ट बना रहे हैं। इनकी कंपनी में 7 लोग कार्यरत है व कंपनी का टर्नओवर 30 लाख से अधिक है।

-रविन शर्मा ने एबिक से प्रशिक्षण व 18 लाख की सहायता राशि लेकर कीड़ाजड़ी मशरूम (कोर्डिसेप्स मिलिटेरिस) से अपनी लैब में उत्पादन कर रहे हैं। फिर इसे प्रोसेस करके पाउडर, कैप्सूल व अर्क बना रहे हैं जिसके सेवन से हमारे देश के खिलाड़ियों को बहुत फायदा हो रहा है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख से अधिक है व छः लोग कार्यरत है।

अंबाला जिले के स्टार्टअप्स

-विपेन सरीन ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर गन्ने के मूल्य संवर्धन प्रोडक्ट (गन्ना चुस्की, गन्ना जलेबी, गन्ना चाय व गुड़ इमली की चटनी) बना रहे हैं और किसानों को भी प्रशिक्षण दे रहे हैं।

-विशाल ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर एक ऐसी डिवाइस तैयार की है जिससे किसान मिट्टी की नमी, मिट्टी में मौजूद पोटैशियम, मैग्नीशियम व अन्य पोषक तत्वों के बारे में जान सकते हैं।

एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहारा अवसर है। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे। भारत सरकार ने महिलाओं को उद्यमी बनाने के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान राशि देने का प्रावधान रखा है। इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। एबिक स्टार्टअप्स की नवीनतम तकनीक को पेटेंट स्टींफिकेशन, लाइसेंस एवं फंडिग करवाने में अहम भूमिका निभाता है। इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ओवर करोड़ो रूपए तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगो को रोजगार भी प्रदान किया है।

प्रो. बी.आर. काम्बोज, कुलपति हकृवि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-01-25	5	1-4

एच.ए.यू. का एबिक युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहा : प्रो. काम्बोज

'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने की हिसार व अम्बाला के स्टार्टअप्स की सराहना

हिसार, 21 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को लेकर हिसार और अंबाला जैसे शहरों में कार्यरत स्टार्टअप्स की सराहना की है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। हमारे युवा आज केवल नौकरी के ही पीछे नहीं भाग रहे बल्कि वे खुद का व्यवसाय करने में भी रूचि दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि हमारा स्टार्टअप कल्चर अब बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि अब इस क्षेत्र में महिलाएं भी स्टार्टअप शुरू करने के लिए आगे आ रही हैं। छोटे शहरों में आधे से ज्यादा का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को बिजनेस आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। एबिक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा एबिक के माध्यम से 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है। इन सभी स्टार्टअप्स का अब 20 करोड़ रुपये का टर्नओवर है और करीब 1600 लोगों को वो रोजगार मुहैया करवा रहे हैं। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर का मकसद युवाओं को उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना है। इससे जुड़कर युवा अपना व्यवसाय शुरू कर रहे हैं और अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण एवं अनुदान प्राप्त करके युवाओं ने ना केवल स्वयं का रोजगार स्थापित किया है बल्कि अनेक बेरोजगारों को रोजगार भी उपलब्ध करवाया है। सातरोड़ गांव निवासी राजेन्द्र कुमार एबिक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर विनीइंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज (धान, गेहूं, सरसों, बाजरा) इत्यादि को इस मशीन के माध्यम से बिल्कुल साफ कर सकता है।

अभी तक राजेन्द्र 200 मशीन बनाकर बेच चुके हैं। इनकी कंपनी में 15 लोग कार्यरत है व कंपनी का टर्नओवर दो करोड़ से अधिक है। प्रवीण ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर ऐरोफोनिक तकनीक से लैब में केसर की खेती कर रहे हैं। इन्होंने सैकड़ों किसानों को प्रशिक्षण देकर इस तकनीक से अवगत कराया है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख है व 10 लोगों को रोजगार दिया है। महिला उद्यमी दीपिका एबिक एचएयू से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर मोटे अनाज चकुंदर, फल एवं सब्जियां, ऑयल सीड्स व ड्राइफ्रूटस के मिश्रण से खिलाडियों के लिए बिस्कुट व लड्डू बना रही हैं। इनकी कंपनी का टर्नओवर 20 लाख रूपए है व चार लोग कार्यरत हैं। भारत सरकार ने महिलाओं को उद्यमी बनाने के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान राशि देने का प्रावधान रखा है। इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। एबिक स्टार्टअप्स की नवीनतम तकनीक को पेटेंट स्टीफिकेशन, लाइसेंस एवं फंडिंग करवाने में अहम भूमिका निभाता है। इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ओवर करोड़ो रूपए तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**21.01.2025**	--	--

एचएयू का एबिक युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अह्म भूमिका निभा रहा है : प्रो. बी. आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को लेकर हिसार और अंबाला जैसे शहरों में कार्यरत स्टार्टअप्स की सराहना की है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। हमारे युवा आज केवल नौकरी के ही पीछे नहीं भाग रहे बल्कि वे खुद का व्यवसाय करने में भी रूचि दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि हमारा स्टार्टअप कल्चर अब बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि अब इस क्षेत्र में महिलाएं भी स्टार्टअप शुरू करने के लिए आगे आ रही हैं। छोटे शहरों में आधे से ज्यादा का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को बिजनेस आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। एबिक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा एबिक के माध्यम से 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है। इन सभी स्टार्टअप्स का अब 20 करोड़ रुपये का टर्नओवर है और करीब 1600 लोगों को वो रोजगार मुहैया करवा रहे हैं। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर का मकसद युवाओं को उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना है। इससे जुड़कर युवा अपना व्यवसाय शुरू कर रहे हैं और अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण एवं अनुदान प्राप्त करके युवाओं ने ना केवल स्वयं का रोजगार स्थापित किया है बल्कि अनेक बेरोजगारों को रोजगार भी उपलब्ध करवाया है।

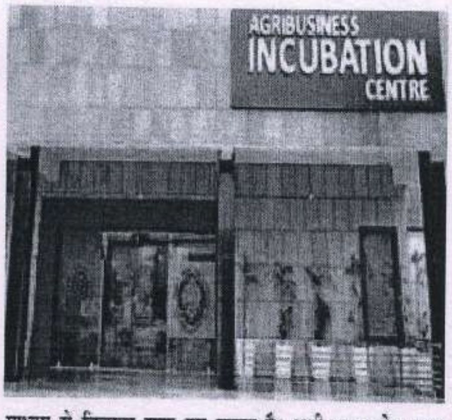

हिसार जिले के स्टार्टअप्स

सातरोड़ गांव निवासी राजेन्द्र कुमार एबिक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर विनोइंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज (धान, गेहूं, सरसों, बाजरा) इत्यादि को इस मशीन के माध्यम से बिल्कुल साफ कर सकता है। अभी तक राजेन्द्र 200 मशीन बनाकर बेच चुके हैं। इनकी कंपनी में 15 लोग कार्यरत है व कंपनी का टर्नओवर दो करोड़ से अधिक है। प्रवीण ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर ऐरोफोनिक तकनीक से लैब में केसर की खेती कर रहे हैं। इन्होंने सैकड़ों किसानों को प्रशिक्षण देकर इस तकनीक से अवगत कराया है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख है व 10 लोगों को रोजगार दिया है। क महिला उद्यमी दीपिका एबिक एचएयू से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर मोटे अनाज चकुंदर, फल एवं सब्जियां, ऑयल सीड्स व ड्राइफ्रूटस के मिश्रण से खिलाड़ियों के लिए बिस्कुट व लड्डू बना रही हैं। इनकी कंपनी का टर्नओवर 20 लाख रूपए है व चार लोग कार्यरत हैं। क सुनील ने एबिक से प्रशिक्षण व 10 लाख की ग्रांट लेकर मोबाइल मोटर स्टार्टर प्रोडक्ट तैयार किया है। जिसकी मदद से किसान कहीं भी बैठकर अपने मोबाइल से खेत की मोटर को बंद व चालू कर सकता है। इनकी कंपनी की टर्नओवर 3 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है। साथ ही ये 30 लोगों को रोजगार मुहैया करवा रहे हैं। सातरोड़ गांव निवासी नरेश कुमार ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर गाय के गोबर, मलमूत्र व पंचगव्य से धूप, हवन समिधा, हैंडवॉश, हेयरवॉश इत्यादि प्रोडक्ट बना रहे हैं। इनकी कंपनी में 7 लोग कार्यरत हैं व कंपनी का टर्नओवर 30 लाख से अधिक है। रविन शर्मा ने एबिक से प्रशिक्षण व 18 लाख की सहायता राशि लेकर कीड़ाजड़ी मशरूम (कोर्डिसेप्स मिलिटेरिस) से अपनी लैब में उत्पादन कर रहे हैं। फिर इसे प्रोसेस करके पाउडर, कैप्सूल व अर्क बना रहे हैं जिसके सेवन से हमारे देश के खिलाड़ियों को बहुत फायदा हो रहा है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख से अधिक है व छः लोग कार्यरत है।

अंबाला जिले के स्टार्टअप्स

विपिन सरीन ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर गन्ने के मूल्य संवर्धन प्रोडक्ट (गन्ना चुस्की, गन्ना जलेबी, गन्ना चाय व गुड़ इमली की चटनी)बना रहे हैं और किसानों को भी प्रशिक्षण दे रहे हैं। विशाल ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर एक ऐसी डिवाइस तैयार की है जिससे किसान मिट्टी की नमी, मिट्टी में मौजूद पोटैशियम, मैग्नीशियम व अन्य पोषक तत्वों के बारे में जान सकते हैं। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहारा अवसर है। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे। भारत सरकार ने महिलाओं को उद्यमी बनाने के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान राशि देने का प्रावधान रखा है। इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। एबिक स्टार्टअप्स की नवीनतम तकनीक को पेटेंट सर्टीफिकेशन, लाइसेंस एवं फंडिंग करवाने में अह्म भूमिका निभाता है। इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ओवर करोड़ो रूपए तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगो को रोजगार भी प्रदान किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	21.01.25		

एचएयू का एबिक युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है : प्रो. बी.आर. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को लेकर हिसार और अंबाला जैसे शहरों में कार्यरत स्टार्टअप्स की सराहना की है। हमारे युवा आज केवल नौकरी के ही पीछे नहीं भाग रहे बल्कि वे खुद का व्यवसाय करने में भी रूचि दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि हमारा स्टार्टअप कल्चर अब बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि अब इस क्षेत्र में महिलाएं भी स्टार्टअप शुरू करने के लिए आगे आ रही हैं। छोटे शहरों में आधे से ज्यादा का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को बिजनेस आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। एबिक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा एबिक के माध्यम से 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है। इन सभी स्टार्टअप्स का अब 20 करोड़ रुपये का टर्नओवर है और करीब 1600 लोगों को वो रोजगार दे चुके हैं।

जिले के स्टार्टअप्स

सातरोड़ गांव निवासी राजेन्द्र कुमार एबिक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर विनोइंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज (धान, गेहूं, सरसों, बाजरा) इत्यादि को इस मशीन के माध्यम से बिल्कुल साफ कर सकता है। अभी तक राजेन्द्र 200 मशीन बनाकर बेच चुके हैं। इनकी कंपनी में 15 लोग कार्यरत है व कंपनी का टर्नओवर दो करोड़ से अधिक है।

प्रवीण ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर ऐरोफोनिक तकनीक से लैब में केसर की खेती कर रहे है। इन्होंने सैकड़ों किसानों को प्रशिक्षण देकर इस तकनीक से अवगत कराया है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख है व 10 लोगों को रोजगार दिया है।

महिला उद्यमी दीपिका एबिक एचएयू से प्रशिक्षण व 5 लाख की ग्रांट लेकर मोटे अनाज चकुंदर, फल एवं सब्जियां, ऑयल सीड्स व ड्राइफ्रूटस के मिश्रण से खिलाड़ियों के लिए बिस्कुट व लड्डू बना रही है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 20 लाख रूपए है व चार लोग कार्यरत हैं।

सुनील ने एबिक से प्रशिक्षण व 10 लाख की ग्रांट लेकर मोबाइल मोटर स्टार्टर प्रोडक्ट तैयार किया है। जिसकी मदद से किसान कहीं भी बैठकर अपने मोबाइल से खेत की मोटर को बंद व चालू कर सकता है। इनकी कंपनी की टर्नओवर 3 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है। साथ ही ये 30 लोगों को रोजगार मुहैया करवा रहे हैं।

सातरोड़ गांव निवासी नरेश कुमार ने एबिक से प्रशिक्षण व 5 लाख की सहायता राशि लेकर गाय के गोबर, मलमूत्र व पंचगव्य से धूप, हवन समिधा, हेंडवॉश, हेयरवॉश इत्यादि प्रोडक्ट बना रहे हैं। इनकी कंपनी में 7 लोग कार्यरत है व कंपनी का टर्नओवर 30 लाख से अधिक है।

रविन शर्मा ने एबिक से प्रशिक्षण व 18 लाख की सहायता राशि लेकर कीड़ाजड़ी मशरूम (कोर्डिसेप्स मिलिटेरिस) से अपनी लैब में उत्पादन कर रहे हैं। फिर इसे प्रोसेस करके पाउडर, कैप्सूल व अर्क बना रहे है जिसके सेवन से हमारे देश के खिलाड़ियों को बहुत फायदा हो रहा है। इनकी कंपनी का टर्नओवर 50 लाख से अधिक है व छह लोग कार्यरत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-01-25	4	6-8

एचएयू में दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण हुआ संपन्न

बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग का भी दिया प्रशिक्षण, 60 युवाओं ने लिया हिस्सा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।

किसानों को प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी जानकारी देने के साथ उन्नत किस्म के बीजों, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, आर्गेनिक एवं प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक किया जा रहा है। संस्थान में अनुसूचित जाति/जनजाति के युवकों एवं युवतियों को 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' तथा 'बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय दो प्रशिक्षण दिए गए। इन प्रशिक्षणों में 60 युवकों एवं युवतियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को कहा कि उपरोक्त प्रशिक्षण बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र और अध्ययन सामग्री भी वितरित की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	22-01-25	4	4-5

दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद बनाने व बेकरी में मिलेट्स के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया

एचएयू हिसार में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित करते मुख्य अतिथि। स्रोत : संस्थान

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' और 'बेकरी में मिलेट्स के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिए गए।

इन प्रशिक्षणों में 60 युवक व युवतियों ने भाग लिया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता ने कहा कि उपरोक्त प्रशिक्षण बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा, डॉ. सतीश ने सीएफएसटी विभाग के पायलट प्लांट का भ्रमण करवाया। इस मौके पर डॉ. नवनीत सक्सेना, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भूपेंद्र सिंह और डॉ. विकास हुडडा भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-01-25	4	7-8

'बेकरी में मिलेट्स के प्रयोग' विषय पर प्रशिक्षण संपन्न

हकृवि में आयोजित प्रशिक्षण शिविर के समापन पर मुख्यातिथि प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए

जासं•हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। संस्थान में अनुसूचित जाति/जनजाति के युवकों एवं युवतियों को 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' तथा 'बेकरी में मिलेट्स के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय दो प्रशिक्षण दिए गए। इन प्रशिक्षणों में 60 युवकों एवं युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. तीर्थ कुमार दत्ता मुख्य अतिथि रहे। संस्थान के सह-निदेशक डा. अशोक कुमार गोदारा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डा. सतीश मेहता ने दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	22-01-25	11	3-6

प्रशिक्षण स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प : डॉ. दत्त

■ हकृवि में दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने व बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग के प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अनुसूचित जाति/जनजाति के युवकों एवं युवतियों को 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' तथा 'बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय दो प्रशिक्षण दिए गए। इन प्रशिक्षणों में 60 युवकों एवं युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रशिक्षण बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र और अध्ययन सामग्री भी वितरित की।

हिसार। मुख्यातिथि प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सतीश मेहता ने दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के बारे में बताया। उन्होंने युवाओं को दूध से बर्फी, पनीर, सुगंधित दूध, दही, लस्सी, श्रीखंड, गाजर पाक, घी, रसगुल्ला, डोडा बर्फी, केसर खीर, कुल्फी, कोण्डेंस्ड मिल्क इत्यादि तैयार करने पर व्यावहारिक ज्ञान देने के साथ-साथ उन्हें एंटरप्रेन्योर बनने, स्वयं सहायता समूह के बारे में भी बताया। डॉ. नवनीत सक्सेना, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भूपेंद्र सिंह और डॉ. विकाश हुड्डा भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-01-25	5	6-8

हकृवि में दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने व 'बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग' के प्रशिक्षण सम्पन्न

मुख्यातिथि प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

हिसार, 21 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को स्व रोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। किसानों को भी प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी जानकारी देने के साथ-साथ उन्नत किस्म के बीजों, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, आर्गेनिक एवं प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक किया जा रहा है। संस्थान में अनुसूचित जाति/जनजाति के युवकों एवं युवतियों को 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' तथा 'बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय दो प्रशिक्षण दिए गए। इन प्रशिक्षणों में 60 युवकों एवं युवतियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उपरोक्त प्रशिक्षण बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र और अध्ययन सामग्री भी वितरित की। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सतीश मेहता ने दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के बारे में बताया। उन्होंने युवाओं को दूध से बर्फी, पनीर, सुगंधित दूध, दही, लस्सी, श्रीखंड, गाजर पाक, घी, रसगुल्ला, डोडा बर्फी, केसर खीर, कुल्फी, कोण्डेंस्ड मिल्क इत्यादि तैयार करने पर व्यावहारिक ज्ञान देने के साथ-सांथ उन्हें एंटरप्रेन्योर बनने, स्वयं सहायता समूह बनाने के बारे में भी बताया। इसी प्रकार बेकरी के प्रशिक्षण में कई तरह के मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे बाजारा बिस्किट, फ्रूट केक, कप केक, प्रेशर कुकर से बटर केक, तिल के लड्डू, चौलाई के लड्डू, पिज़्ज़ा, उपमा और सॉस चटनी जैसे उत्पाद तैयार करने के लिए व्यावहारिक जानकारी देने के साथ-साथ खाद्य और पोषण विभाग की बेकरी इकाई और सीएफएसटी विभाग के पायलट प्लांट का भ्रमण भी करवाया गया। भैंस अनुसंधान संस्थान के डॉ. नवनीत सक्सेना, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भूपेंद्र सिंह और डॉ. विकाश हुड्डा भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	21.01.25		

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' व 'बेकरी में मिलेट्स के प्रयोग' के प्रशिक्षण संपन्न

भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता रहे मुख्य अतिथि

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को स्व रोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। किसानों को भी प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी जानकारी देने के साथ-साथ उन्नत किस्म के बीजों, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, आर्गेनिक एवं प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक किया जा रहा है। संस्थान में अनुसूचित जाति/जनजाति के युवकों एवं युवतियों को 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' तथा 'बेकरी में

मिल्लेट्स के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय दो प्रशिक्षण दिए गए। इन प्रशिक्षणों में 60 युवकों एवं युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उपरोक्त प्रशिक्षण बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र और

संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी।

अध्ययन सामग्री भी वितरित की। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सतीश मेहता ने दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के बारे में बताया। उन्होंने युवाओं को दूध से बर्फी, पनीर, सुगंधित दूध, दही, लस्सी, श्रीखंड, गाजर पाक, घी, रसगुल्ला, डोडा बर्फी, केसर खीर, कुल्फी, कोण्डेंस्ड मिल्क इत्यादि तैयार करने पर व्यावहारिक ज्ञान देने के साथ-साथ उन्हें एंटरप्रेन्योर बनने, स्वयं सहायता समूह बनाने के बारे में भी बताया। इसी प्रकार बेकरी के प्रशिक्षण में कई तरह के मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे बाजारा बिस्किट, फ्रूट केक, कप केक, प्रेशर कुकर से बटर केक, तिल के लड्डू, चौलाई के लड्डू, पिज्जा, उपमा और सॉस चटनी जैसे उत्पाद तैयार करने के लिए व्यावहारिक जानकारी देने के साथ-साथ खाद्य और पोषण विभाग की बेकरी इकाई और सीएफएसटी विभाग के पायलट प्लांट का भ्रमण भी करवाया गया। भैंस अनुसंधान संस्थान के डॉ. नवनीत सक्सेना, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भूपेंद्र सिंह और डॉ. विकाश हुड्डा भी उपस्थित रहे। मंच का संचालन डॉ भूपेंद्र ने किया तथा कार्यक्रम में आए हुए सभी प्रशिक्षणार्थियों एवं वैज्ञानिकों का डॉ. डी.के. शर्मा ने धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	22.01.25		

हकृवि में दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद पर प्रशिक्षण संपन्न

- **भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता रहे मुख्यातिथि**

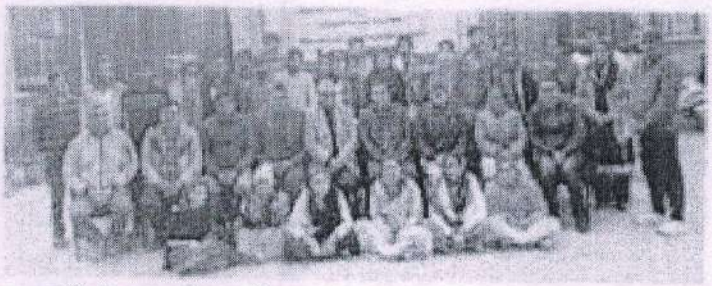

मुख्यातिथि के साथ प्रशिक्षणार्थी व अन्य।

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 21 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को स्व रोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। किसानों को भी प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी जानकारी देने के साथ-साथ उन्नत किस्म के बीजों, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, आर्गेनिक एवं प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक किया जा रहा है। संस्थान में अनुसूचित जाति/जनजाति के युवकों एवं युवतियों को 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' तथा 'बेकरी में मिलेट्स के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय दो प्रशिक्षण दिए गए। इन प्रशिक्षणों में 60 युवकों एवं युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता मुख्य अतिथि रहे।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उपरोक्त प्रशिक्षण बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र और अध्ययन सामग्री भी वितरित की। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सतीश मेहता ने दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक चेतना	22.01.25		

हकृवि में दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' व 'बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग' के प्रशिक्षण संपन्न

भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता रहे मुख्य अतिथि

हिसार, चेतना संवाददाता। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को स्व रोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे है। किसानों को भी प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी जानकारी देने के साथ-साथ उन्नत किस्म के बीजों, कृषि यांत्रिक तरीकों, फोटचारकों, आर्गेनिक एवं प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

संस्थान में अनुसूचित जाति/जनजाति के युवकों एवं युवतियों को 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने' तथा 'बेकरी में मिल्लेट्स के प्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय दो प्रशिक्षण दिए गए। इन प्रशिक्षणों में 60 युवकों एवं युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. तीर्थ कुमार दत्ता मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उपरोक्त प्रशिक्षण बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र और अध्ययन सामग्री भी वितरित की।

संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने उपरोक्त प्रशिक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सतीश मेहता ने दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के बारे में बताया। उन्होंने युवाओं को दूध से बर्फी, पनीर, सुगंधित दूध, दही, लस्सी, श्रीखंड, गाजर पाक, घी, रसगुल्ला, दोध बर्फी, केसर खीर, कुल्फी, कोण्डेंस्ड मिल्क इत्यादि तैयार करने पर व्यावहारिक ज्ञान देने के साथ-साथ उन्हें एंटरप्रेन्योर बनने, स्वयं सहायता समूह बनाने के बारे में भी बताया।

इसी प्रकार बेकरी के प्रशिक्षण में कई तरह के मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे बाजरा बिस्किट, फ्रूट केक, कप केक, प्रेशर कुकर से बना केक, तिल के लड्डू, चौलाई के लड्डू, पिज्जा, हलवा और खट्टी चटनी जैसे उत्पाद तैयार करने के लिए व्यावहारिक जानकारी देने के साथ-साथ खाद्य और पोषण विभाग की बेकरी इकाई और सीएफएसटी विभाग के पायलट प्लांट का भ्रमण भी करवाया गया। भैंस अनुसंधान संस्थान के डॉ. नवनीत सक्सेना, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भूपेंद्र सिंह और डॉ. विकास दुग्गल भी उपस्थित रहे। मंच का संचालन डॉ. भूपेंद्र ने किया तथा कार्यक्रम में आए हुए सभी प्रशिक्षणार्थियों एवं वैज्ञानिकों का डॉ. डी.के. शर्मा ने धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक चेतना	22.01.25		

एचएयू का एबिक युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अह्म भूमिका निभा रहा है: प्रो. काम्बोज

हिसार, चेतना संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को लेकर हिसार और अंबाला जैसे शहरों में कार्यरत स्टार्टअप्स की सराहना की है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। हमारे युवा आज केवल नौकरी के ही पीछे नहीं भाग रहे बल्कि वे खुद का व्यवसाय करने में भी रूचि दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि हमारा स्टार्टअप कल्चर अब बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि अब इस क्षेत्र में महिलाएं भी स्टार्टअप शुरू करने के लिए आगे आ रही हैं। छोटे शहरों में आधे से ज्यादा का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों

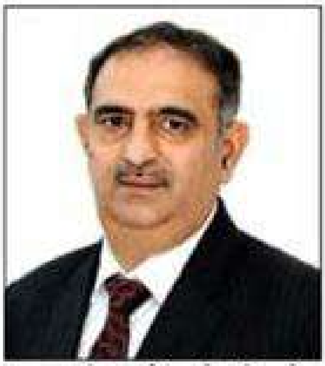

तथा महिलाओं को बिजनेस आईडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। एबिक सेंटर वर्ष 2019 में आरंभ हुआ था और अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा एबिक के माध्यम से 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है। इन सभी स्टार्टअप्स का अब 20 करोड़ रुपये का टर्नओवर है और करीब 1600 लोगों को वो रोजगार मुहैया करवा रहे हैं।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर का मकसद युवाओं को उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना है। इससे जुड़कर युवा अपना व्यवसाय शुरू कर रहे हैं और अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण एवं अनुदान प्राप्त करके युवाओं ने ना केवल स्वयं का रोजगार स्थापित किया है बल्कि अनेक बेरोजगारों को रोजगार भी उपलब्ध करवाया है।

क सातरोड़ गांव निवासी राजेन्द्र कुमार एबिक से प्रशिक्षण व 25 लाख की सहायता राशि लेकर विनोइंग मशीन बनाई है जिससे किसान अपना अनाज (धान, गेहूं, सरसों, बाजरा) इत्यादि को इस मशीन के माध्यम से बिल्कुल साफ कर सकता है।